









# गहू में तब्दील हो रही सड़कें राहगीर परेशान

## टूटी सड़कों पर चलने को मजबूर कांवड़ यात्री, जिम्मेदार बेखबर

लालगंज रायबरेली, समृद्धि न्यूज़।



सरकार का गहा मुक्त सड़कों का अभियान भी दम तोड़ता नजर आ

रहा है लोक निर्माण की लापरवाही के चलते

...तो योगी सरकार में भी गहू से होकर गुजरेंगे कांवड़  
सावन की कांवड़ यात्रा में हर साल शिवालयों को जाने वाले मार्गों के गड्ढे भरे जाते हैं। इस बार तो योगी सरकार ने सड़कों को गहूमुक्त करने का फरमान सुना दिया था ताकि आम लोगों और कांवड़ियों के शिवालयों तक जाने में परेशानी न हो। इसका कुछ असर तो दिख रहा है, लेकिन कांवड़ियों के गुजरने वाली सड़कें पूरी रूप से गहूमुक्त नहीं हैं। मतलब, इस बार भी कांवड़ियों के पथर, गदगी, कड़ूं के दर्ह के अलावा गहू से होकर गुजरने को मजबूर है।

लालगंज कस्बे के बीच से गुजरने वाली रायबरेली कानपुर मार्ग गहू में तब्दील होता दिखाइ दे रहा है गहू होने के कारण दुर्घटनाएँ बाहन चालकों और राहगीरों और स्कूली बच्चों को जान का जायिम बना रहता है आए दिन कोई न कोई दुर्घटनाएँ होती रहती हैं विभागीय अधिकारी सड़क के गहूओं को भरवाने तक की जहमत नहीं भरा गया तो हम लोग प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

## दबंगों ने दलित परिवार पर किया जानलेवा हमला

- दबंगों द्वारा मासपीट का वीडियो सोशल मीडिया में हुआ वायरल
- आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से नाराज होकर परिजनों ने पुलिस अधीक्षक से लगाई न्याय की गुहार



परिजनों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय का किया घेराव मामला बढ़वाया था जहां जींदी विवाद के चलते 2 दिन पहले आधा दर्जन से अधिक दबंगों ने दलित परिवार पर घर में घुसकर कलहड़ी व फर्से से हाला बोल दिया हमले में घायल मां बेटी जिला धारदार अस्पताल में जिंदी नामजद आरोपियों के खिलाफ थे लोगों में बेटी में संवर्धन कर रही हैं, वहां आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से नाराज होकर परिजनों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर लगाई अगरी खेलाइ गवां में घम कर घमानी दे रहे हैं घायल दबंगों द्वारा मासपीट का वीडियो सोशल मीडिया में हुआ वायरल हमलावरों ने न्याय की गुहार उमरपुर गवां की रहने वाली गीता देवी की मांग की है।

## खबरें एक नजर में

### भाविष्य के 60वें स्थापना दिवस पर

#### कराया जरूरतमंदों को भोज

कोंच (जालौन), समृद्धि न्यूज़। भारत विकास परिषद शायदी कोंच ने मंगलवार को अपना 60वां स्थापना दिवस दरिद्र नारायण सेवा समिति के भवन में जरूरतमंदों के बीच मनाया। इस अवसर पर तमाम जरूरतमंद लोगों को संस्था की ओर से भोजन भी कराया गया। भाविष्य शायदी कोंच के उपायक्ष प्रधानमंत्री योगी सीताराम प्रजापति की अवधेष्टा में ऐसी गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि संस्थापक सदस्य गजराज सिंह संगर तथा मुख्य कर्ता सास्था के संस्थानकों कोषायक्ष इंजीनी, राजीव कुमार रेजा रहे। विशावित श्रीकांत गुप्त न बताया कि भारत विकास परिषद के केंद्रीय कार्यालय द्वारा देश के कई शहरों में विकलांग हॉस्पिटल चलाए जा रहे हैं। कठोरलाल यादव बाबूराजी ने कहा ये ऐसे अवसरों पर भूखों को भोजन करना साबसे बड़ा प्रयोग कार्रवाई है। इंजीनी, राजीव रेजा ने भारत विकास परिषद की स्थापना से लेकर आज तक के कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए बताया कि संस्था की तमाम शाखाएँ देश विदेश में कार्य कर रही हैं। अधेष्टा कर रहे सीताराम प्रजापति ने संस्था के संस्थानक डॉ. सुरेश प्रकाश के कृत शहरों की जानकारी दी। संचालन सीधे रवीद्र सिंह निरंजन ने किया। इस कराया जरूरतमंद सोनी, ब्रजबलम सिंह संगें, दिनेश सोनी बुरा, अमर अग्रवाल साक्षी, राजीव अग्रवाल, शेलेंद्र सराष रामसिंह यादव, नरेंद्रमोहन सोनी, अंजीज शाह आदि उपस्थित रहे।

#### शायद पिलाकूर पति से जमीन नाम करा लेने की पानी ने पुलिस से शिकायत की

कोंच (जालौन), समृद्धि न्यूज़। शायद पिलाकूर पति से जमीन नाम करा लेने की पुलिस से शिकायत करते हुए परेशान पति ने संबंधित लोगों के खिलाफ कार्यालयी किए जाने की गुहार लायी है। कोंतवाली क्षेत्र के ग्राम विरुद्ध बुरुंग आयोजनी महाराज योगी परीक्षु सुरेश चंद्र ने गुप्तिलाल की प्राप्ति न प्राप्त कर रहा। एवं जिन निरंजन के बाद विकास परिषद की स्थापना से लेकर आज तक के कार्यों पर भिन्न भिन्न विवादों के बीच विवाद रहा। जानकारी दी गयी अग्रवाल साक्षी, राजीव अग्रवाल, शेलेंद्र सराष परिषद की स्थापना से उसके पास भूमि की उक्ति गुप्तिलाल की जावी रही है। उक्ति गुप्तिलाल को उत्तराहर दिल्ली के बाद विकास परिषद की स्थापना से लेकर आज तक के कार्यों पर भिन्न भिन्न विवादों के बीच विवाद रहा। जानकारी दी गयी अग्रवाल साक्षी, राजीव अग्रवाल, शेलेंद्र सराष परिषद की स्थापना से उसके पास भूमि की उक्ति गुप्तिलाल की जावी रही है। उक्ति गुप्तिलाल को उत्तराहर दिल्ली के बाद विकास परिषद की स्थापना से लेकर आज तक के कार्यों पर भिन्न भिन्न विवादों के बीच विवाद रहा। जानकारी दी गयी अग्रवाल साक्षी, राजीव अग्रवाल, शेलेंद्र सराष परिषद की स्थापना से उसके पास भूमि की उक्ति गुप्तिलाल की जावी रही है। उक्ति गुप्तिलाल को उत्तराहर दिल्ली के बाद विकास परिषद की स्थापना से लेकर आज तक के कार्यों पर भिन्न भिन्न विवादों के बीच विवाद रहा। जानकारी दी गयी अग्रवाल साक्षी, राजीव अग्रवाल, शेलेंद्र सराष परिषद की स्थापना से उसके पास भूमि की उक्ति गुप्तिलाल की जावी रही है। उक्ति गुप्तिलाल को उत्तराहर दिल्ली के बाद विकास परिषद की स्थापना से लेकर आज तक के कार्यों पर भिन्न भिन्न विवादों के बीच विवाद रहा। जानकारी दी गयी अग्रवाल साक्षी, राजीव अग्रवाल, शेलेंद्र सराष परिषद की स्थापना से उसके पास भूमि की उक्ति गुप्तिलाल की जावी रही है। उक्ति गुप्तिलाल को उत्तराहर दिल्ली के बाद विकास परिषद की स्थापना से लेकर आज तक के कार्यों पर भिन्न भिन्न विवादों के बीच विवाद रहा। जानकारी दी गयी अग्रवाल साक्षी, राजीव अग्रवाल, शेलेंद्र सराष परिषद की स्थापना से उसके पास भूमि की उक्ति गुप्तिलाल की जावी रही है। उक्ति गुप्तिलाल को उत्तराहर दिल्ली के बाद विकास परिषद की स्थापना से लेकर आज तक के कार्यों पर भिन्न भिन्न विवादों के बीच विवाद रहा। जानकारी दी गयी अग्रवाल साक्षी, राजीव अग्रवाल, शेलेंद्र सराष परिषद की स्थापना से उसके पास भूमि की उक्ति गुप्तिलाल की जावी रही है। उक्ति गुप्तिलाल को उत्तराहर दिल्ली के बाद विकास परिषद की स्थापना से लेकर आज तक के कार्यों पर भिन्न भिन्न विवादों के बीच विवाद रहा। जानकारी दी गयी अग्रवाल साक्षी, राजीव अग्रवाल, शेलेंद्र सराष परिषद की स्थापना से उसके पास भूमि की उक्ति गुप्तिलाल की जावी रही है। उक्ति गुप्तिलाल को उत्तराहर दिल्ली के बाद विकास परिषद की स्थापना से लेकर आज तक के कार्यों पर भिन्न भिन्न विवादों के बीच विवाद रहा। जानकारी दी गयी अग्रवाल साक्षी, राजीव अग्रवाल, शेलेंद्र सराष परिषद की स्थापना से उसके पास भूमि की उक्ति गुप्तिलाल की जावी रही है। उक्ति गुप्तिलाल को उत्तराहर दिल्ली के बाद विकास परिषद की स्थापना से लेकर आज तक के कार्यों पर भिन्न भिन्न विवादों के बीच विवाद रहा। जानकारी दी गयी अग्रवाल साक्षी, राजीव अग्रवाल, शेलेंद्र सराष परिषद की स्थापना से उसके पास भूमि की उक्ति गुप्तिलाल की जावी रही है। उक्ति गुप्तिलाल को उत्तराहर दिल्ली के बाद विकास परिषद की स्थापना से लेकर आज तक के कार्यों पर भिन्न भिन्न विवादों के बीच विवाद रहा। जानकारी दी गयी अग्रवाल साक्षी, राजीव अग्रवाल, शेलेंद्र सराष परिषद की स्थापना से उसके पास भूमि की उक्ति गुप्तिलाल की जावी रही है। उक्ति गुप्तिलाल को उत्तराहर दिल्ली के बाद विकास परिषद की स्थापना से लेकर आज तक के कार्यों पर भिन्न भिन्न विवादों के बीच विवाद रहा। जानकारी दी गयी अग्रवाल साक्षी, राजीव अग्रवाल, शेलेंद्र सराष परिषद की स्थापना से उसके पास भूमि की उक्ति गुप्तिलाल की जावी रही है। उक्ति गुप्तिलाल को उत्तराहर दिल्ली के बाद विकास परिषद की स्थापना से लेकर आज तक के कार्यों पर भिन्न भिन्न विवादों के बीच विवाद रहा। जानकारी दी गयी अग्रवाल साक्षी, राजीव अग्रवाल, शेलेंद्र सराष परिषद की स्थापना से उसके पास भूमि की उक्ति गुप्तिलाल की जावी रही है। उक्ति गुप्तिलाल को उत्तराहर दिल्ली के बाद विकास परिषद की स्थापना से लेकर आज तक के कार्यों पर भिन्न भिन्न विवादों के बीच विवाद रहा। जानकारी दी गयी अग्रवाल साक्षी, राजीव अग्रवाल, शेलेंद्र सराष परिषद की स्थापना से उसके पास भूमि की उक्ति गुप्तिलाल की जावी रही है। उक्ति गुप्तिलाल को उत्तराहर दिल्ली के बाद विकास परिषद की स्थापना से लेकर आज तक के कार्यों पर भिन्न भिन्न विवादों के बीच विवाद रहा। जानकारी दी गयी अग्रवाल साक्षी, राजीव अग्रवाल, शेलेंद्र सराष परिषद की स्थापना से उसके पास भूमि की उक्ति गुप्तिलाल की जावी रही है। उक्ति गुप्तिलाल को उत्तराहर दिल्ली के बाद विकास परिषद की स्थापना से लेकर आज तक के कार्यों पर भिन्न भिन्न विवादों के बीच विवाद रहा। जानकारी दी गयी अग्रवाल साक

## तबाही की बाइश

**उत्तर भारत समेत देश के अन्य भागों में अप्रत्याशित रूप से लगातार होती बारिश ने हाहाकार मचाया है। बरसात के मौसम में बारिश और जलधाराओं में उमन आना सामान्य बात है, लेकिन इस बार की अतिवृष्टि ने बताया है कि मनुष्य शक्तिशाली होने का भले ही दी दंभ भरता रहे लेकिन कुदरत के रोद के सामने बह बांही ही है। जगह-जगह बादल फटें, नदियों में बाढ़, पानी रोकने में नाकाम बांध और भूखलन की घटनाओं ने लोगों में भय पैदा किया है कि एक जन नान अस्त-व्यस्त हुआ है। पुलों के टूटने, बरितों में जौका चलान, मकानों के भरभरा कर गिरने वालों के बहने के बीड़ियों साथ सामिङ्गा पर लोगों को दहशत से भर रहे हैं। कोरोबार तभी है, स्कूल-कालेज बढ़ कर दिये गए हैं। पिछे भी बारिश थाने का नाम नहीं ले रही है। कई राज्यों में रेड, ऑरेंज व येलो अलर्ट जारी हो रहे हैं। हिमाचल प्रदेश में मूलाधार बारिश ने कोहराम मचाया है। करीब तीन-चार हजार करोड़ रुपये का नुकसान होने का प्राथमिक अनुमान लगाया गया है। हिमाचल में बाढ़, बादल फटें, जलधाराओं में उमन व भूखलन में सत्रह लोगों के मरने की खबरें आ रही हैं। जलधाराओं में उमन से नदियों के बरिरे स्थित सड़कों, मकानों, होटोंवाले व हड्डिवे को नुकसान पहुंचना स्थानाभिक है। हिमाचल व उत्तराखण्ड में सेकेंड सड़कें बहन रही हैं। विद्युत व्यवस्था टप होने और यातायात बाधित होने की भी खबरें हैं। हिमाचल में राती, यास, सतलज, चिनाब आदि नदियों में उमन से संकट बारा हो रहा है। हिमाचल में हाईनीकूट बैरेज में जलसूखा से ज्यादा पानी जमा होने से करीब दो लाख क्षेत्रिय पानी छोड़ जाने से लिंगे पर बाढ़ का खत्तरा बढ़ गया है। ऐसे में युद्ध स्तर पर बचाव के प्रयास किये जाने की जरूरत है। अभी भी रुक-रुक कर होने वाली बारिश को देखकर अंदाजा लगाया जा रहा है कि आने वाले दिनों में हालात चुनावीरूप हो सकते हैं निसंसदै, आज पूरी दुनिया में मौसम की चास से उत्तर प्राकृतिक आपदाओं का सिलसिला बढ़ावा जा रहा है। मौसम की तल्ली को देखकर लगाता है कि प्रकृति के खिलाफ भारत की कुरुक्षता का कुदरत बदला ले रही है। जलधाराओं के मार्ग में लगातार बढ़ते अतिवृष्टि के प्रवाह को आसानी से बढ़ावा देता दिया है। पाहाड़ गांव जलसूखा से ज्यादा बाधित होता रहता है, जब तक विकास परियोजना व बड़े बांधों का बोझ उठाने लायक भी नहीं है। इंसान ने विकास के वर्षों से विद्युत व्यवस्था के लिए विद्युत पानी के स्थान नहीं है, वे इनकी क्षमता से अधिक है। पाहाड़ों में विकास का आधार प्रकृति के साथ सामन्यस्वरूप होना चाहिए। वहीं दूसरी ओर देश के महानगर व शहर अनियंत्रित विकास का त्रास झेल रहे हैं। बारिश के पानी के लिए विद्युत वालों के बांधों के बदल परने की व्यवस्था बदली है, उन पर कज्जा करके हमने कंकीट के जंगल ऊपर दिये हैं। दूसरी ओर इस तह की अतिवृष्टि आधारभूत ढांचे की पोल भी खोती है। बड़े शहरों में सड़कों में जलभराव, रेलवे लाइन का पानी में झूला व अंदरपास का जलसूखा होना अनियंत्रित विकास का ही परिणाम है। बारिश में हांगर आधारभूत ढांचे की गुणवत्ता समें आ जाती है। जिसके चलते नदियों के धंसने और ट्रैकिंग के जाम की घटनाएं बारिश में स्वाभाविक हैं कि जिस मानसून का हम पलक-पांवडे बिछा कर स्वापत करते थे, जो बारिश कभी आनंद का प्रतीक होती थी, वह अब डरने वाले लाली हैं। कहीं न कहीं हमारे नगर नियोजक, प्रशासक, इनीशियर व नीति नियंता भविष्य की चुनौतियों के मद्देनजर विकास को मूर्ख रूप देने में विफल रहे हैं। जाहिर बात है, यदि आधारभूत ढांचे का नियमण पर्याप्त योजना व दूदूसी सोच के अधार में किया जाएगा, तो अतिवृष्टि से लोगों का मुश्किलों में फंसना स्वाभाविक ही है।**

पांचों पर राजनीतिक रोटी सेना किसे कहते हैं, पंबांगल के हालत इस वर्क इसका जीता-जपाना नमूना दिखा रहे हैं। बुनाव आयोग पर सवाल उठे तो राज्य के बुनाव आयुक राजीव रिस्ता ने जवाब दिया कि कानून और व्यवस्था की जिम्मेदारी जिला प्रशासन की है, आयोग का काम पूरी व्यवस्था को सम्भालना है। उकाव वह भी कहना है कि केंद्रीय सुव्याप्ति बल के जबाब अपराध बताए गए हैं। हिमाचल प्रदेश में मूलाधार बारिश ने कोहराम मचाया है। करीब तीन-चार हजार करोड़ रुपये का नुकसान होने का प्राथमिक अनुमान लगाया गया है। लेकिन इस बार तक बैद्धत्य वेदों में भय पैदा किया जा रहा है। किंतु भी बारिश थाने का नाम नहीं ले रही है। कई राज्यों में रेड, ऑरेंज व येलो अलर्ट जारी हो रहे हैं। हिमाचल प्रदेश में मूलाधार बारिश ने कोहराम मचाया है। बरसात तीन-चार हजार करोड़ रुपये का नुकसान होने का प्राथमिक अनुमान लगाया गया है। लेकिन इस बार तक बैद्धत्य वेदों में भय पैदा किया जा रहा है। किंतु भी बारिश थाने का नाम नहीं ले रही है। कई राज्यों में रेड, ऑरेंज व येलो अलर्ट जारी हो रहे हैं। हिमाचल प्रदेश में मूलाधार बारिश ने कोहराम मचाया है। बरसात तीन-चार हजार करोड़ रुपये का नुकसान होने का प्राथमिक अनुमान लगाया गया है। लेकिन इस बार तक बैद्धत्य वेदों में भय पैदा किया जा रहा है। किंतु भी बारिश थाने का नाम नहीं ले रही है। कई राज्यों में रेड, ऑरेंज व येलो अलर्ट जारी हो रहे हैं। हिमाचल प्रदेश में मूलाधार बारिश ने कोहराम मचाया है। बरसात तीन-चार हजार करोड़ रुपये का नुकसान होने का प्राथमिक अनुमान लगाया गया है। लेकिन इस बार तक बैद्धत्य वेदों में भय पैदा किया जा रहा है। किंतु भी बारिश थाने का नाम नहीं ले रही है। कई राज्यों में रेड, ऑरेंज व येलो अलर्ट जारी हो रहे हैं। हिमाचल प्रदेश में मूलाधार बारिश ने कोहराम मचाया है। बरसात तीन-चार हजार करोड़ रुपये का नुकसान होने का प्राथमिक अनुमान लगाया गया है। लेकिन इस बार तक बैद्धत्य वेदों में भय पैदा किया जा रहा है। किंतु भी बारिश थाने का नाम नहीं ले रही है। कई राज्यों में रेड, ऑरेंज व येलो अलर्ट जारी हो रहे हैं। हिमाचल प्रदेश में मूलाधार बारिश ने कोहराम मचाया है। बरसात तीन-चार हजार करोड़ रुपये का नुकसान होने का प्राथमिक अनुमान लगाया गया है। लेकिन इस बार तक बैद्धत्य वेदों में भय पैदा किया जा रहा है। किंतु भी बारिश थाने का नाम नहीं ले रही है। कई राज्यों में रेड, ऑरेंज व येलो अलर्ट जारी हो रहे हैं। हिमाचल प्रदेश में मूलाधार बारिश ने कोहराम मचाया है। बरसात तीन-चार हजार करोड़ रुपये का नुकसान होने का प्राथमिक अनुमान लगाया गया है। लेकिन इस बार तक बैद्धत्य वेदों में भय पैदा किया जा रहा है। किंतु भी बारिश थाने का नाम नहीं ले रही है। कई राज्यों में रेड, ऑरेंज व येलो अलर्ट जारी हो रहे हैं। हिमाचल प्रदेश में मूलाधार बारिश ने कोहराम मचाया है। बरसात तीन-चार हजार करोड़ रुपये का नुकसान होने का प्राथमिक अनुमान लगाया गया है। लेकिन इस बार तक बैद्धत्य वेदों में भय पैदा किया जा रहा है। किंतु भी बारिश थाने का नाम नहीं ले रही है। कई राज्यों में रेड, ऑरेंज व येलो अलर्ट जारी हो रहे हैं। हिमाचल प्रदेश में मूलाधार बारिश ने कोहराम मचाया है। बरसात तीन-चार हजार करोड़ रुपये का नुकसान होने का प्राथमिक अनुमान लगाया गया है। लेकिन इस बार तक बैद्धत्य वेदों में भय पैदा किया जा रहा है। किंतु भी बारिश थाने का नाम नहीं ले रही है। कई राज्यों में रेड, ऑरेंज व येलो अलर्ट जारी हो रहे हैं। हिमाचल प्रदेश में मूलाधार बारिश ने कोहराम मचाया है। बरसात तीन-चार हजार करोड़ रुपये का नुकसान होने का प्राथमिक अनुमान लगाया गया है। लेकिन इस बार तक बैद्धत्य वेदों में भय पैदा किया जा रहा है। किंतु भी बारिश थाने का नाम नहीं ले रही है। कई राज्यों में रेड, ऑरेंज व येलो अलर्ट जारी हो रहे हैं। हिमाचल प्रदेश में मूलाधार बारिश ने कोहराम मचाया है। बरसात तीन-चार हजार करोड़ रुपये का नुकसान होने का प्राथमिक अनुमान लगाया गया है। लेकिन इस बार तक बैद्धत्य वेदों में भय पैदा किया जा रहा है। किंतु भी बारिश थाने का नाम नहीं ले रही है। कई राज्यों में रेड, ऑरेंज व येलो अलर्ट जारी हो रहे हैं। हिमाचल प्रदेश में मूलाधार बारिश ने कोहराम मचाया है। बरसात तीन-चार हजार करोड़ रुपये का नुकसान होने का प्राथमिक अनुमान लगाया गया है। लेकिन इस बार तक बैद्धत्य वेदों में भय पैदा किया जा रहा है। किंतु भी बारिश थाने का नाम नहीं ले रही है। कई राज्यों में रेड, ऑरेंज व येलो अलर्ट जारी हो रहे हैं। हिमाचल प्रदेश में मूलाधार बारिश ने कोहराम मचाया है। बरसात तीन-चार हजार करोड़ रुपये का नुकसान होने का प्राथमिक अनुमान लगाया गया है। लेकिन इस बार तक बैद्धत्य वेदों में भय पैदा किया जा रहा है। किंतु भी बारिश थाने का नाम नहीं ले रही है। कई राज्यों में रेड, ऑरेंज व येलो अलर्ट जारी हो रहे हैं। हिमाचल प्रदेश में मूलाधार बारिश ने कोहराम मचाया है। बरसात तीन-चार हजार करोड़ रुपये का नुकसान होने का प्राथमिक अनुमान लगाया गया है। लेकिन इस बार तक बैद्धत्य वेदों में भय पैदा किया जा रहा है। किंतु भी बारिश थाने का नाम नहीं ले रही है। कई राज्यों में रेड, ऑरेंज व येलो अलर्ट जारी हो रहे हैं। हिमाचल प्रदेश में मूलाधार बारिश ने कोहराम मचाया है। बरसात तीन-चार हजार करोड़ रुपये का नुकसान होने का प्राथमिक अनुमान लगाया गया है। लेकिन इस बार तक बैद्धत्य वेदों में भय पैदा किया जा रहा है। किंतु भी बारिश थाने का नाम नहीं ले रही है। कई राज्यों में रेड, ऑरेंज व येलो अलर्ट जारी हो रहे हैं। हिमाचल प्रदेश में मूलाधार बारिश ने कोहराम मचाया है। बरसात तीन-चार हजार करोड़ रुपये का नुकसान होने का प्राथमिक अनुमान लगाया गया है। लेकिन इस बार तक बैद्धत्य वेदों म











